nary Doctor who was previously employed at the New Delhi Municipal Committee Veterinary Hospital and is now employed under the Society for the Prevention of Cruelty to Animals, visits the Delhi Zoological Park weekly and as and when required, to look after the sick inmatas ever since the first consignment of animals was received in June, 1956.

(b) No. A whole-time post of Veterinary Officer for the Delhi Zoological Park is being created.

(c) During the last two years, 68 animals and 118 birds fell sick. During the same period 51 animals and 255 birds died. Of these 19 animals and 44 birds died on account of sickness.]

दिल्ली में गन्दगी से तैयार की गई गैस का उपयोग

२०२. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **स्वास्थ्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय दिल्ली में गन्दगी से कितनी गैस तैयार हो रही है और इसका किस प्रकार से उपयोग हो रहा है अथवा करने की योजना है ; और

(ख) क्या इस गैस को घरेलू कार्यों के लिये उपयोग में लाने की कोई योजना है और यदि हां, तो वह योजना क्या है ?

t [UTILISATION OF GAS PRODUCED FROM SULLAGE IN DELHI

202. SHRI NAWAB S[T]NGH CHAUHAN: Will the Minister of HEALTH be pleased to state:

(a) what is the quantum of gas produced in Delhi at present from sullage and how it is being utilised or is proposed to be utilised; and

(b) whether there is any scheme to utilise this gas for domestic purposes and, if so, what is that scheme?]

स्वास्थ्य मंत्री (श्री डी० पी० करमरकर) : (क) (१) **उत्तरी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट**.— १,५०,००० घन फुट प्रतिदिन । चूंकि इसके आसपास इस गैस को कोई इस्तेमाल करने वाला नहीं है और पाइपलाइन का मूल्य भी बहुत अधिक पड़ेगा । अतएव इस गैस को इस्तेमाल करना सम्भव नहीं है ।

(२) **दक्षिण पूर्वी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट** — लगभग २,५०,००० घन फुट प्रति दिन । इसमें से दो लाख घन फुट गैस इस प्लाण्ट को चलाने के लिये बिजली पैदा करने के काम में लायी जाती है और बाकी गैस जला दी जाती है । चालू विस्तार कार्यों के पूर्ण होने पर इस अतिरिक्त गैस को ओखला क्षेत्र के उद्योगों को ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने के लिये देने का विचार है ।

(ख) जी नहीं ।

ttTHE MINISTER OF HEALTH (SHRI D. P. KARMARKAR) : (a) (1) *North Sewage Treatment Plant.*— 1,50,000 Cft. per day. It is not possible to use this gas as there are no consumers nearabout and cost of pipeline will be proliibitive.

(2) *South East Sewage Treatment Plant* ___About 2,50,000 Cft. per day. Out of this 2 lakhs Cft. are used for generating electricity for running the plant and the remaining quantity is burnt away. With the completion of certain extension works now in hand, the additional gas is proposed to be supplied to the Industries in the Okhla area for use as fuel.

(b) No.]

203. *[Transferred to the 8th September,* 1959.]

दिल्ली प्रशासन द्वारा दूध के चूरे का दबाया जाना

२०४. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **स्वास्थ्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली प्रशासन को दस हजार रुपये के मूल्य का दूध

का चूरा खराब हो जाने के कारण दबा देना पड़ रहा है ;

(ख) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर 'हां' हो तो कितना चूरा खराब हुआ, उसके खराब होने के कारण क्या हैं और इसकी जिम्मेदारी किस पर है ; और

(ग) यह चूरा कब मंगाया गया और कब तक बिना प्रयोग पड़ा रहा ?

t [DUMPING OF MILK POWDER BY DELHI ADMINISTRATION

204. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of HEALTH be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Delhi Administration has been compelled to dump milk powder worth Rs. 10,000 because it was spoilt;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, how much powder got spoilt, why it got spoilt and who is responsible for it; and

(c) when this milk powder was imported and for how long it remained unused?]

स्वास्थ्य मंत्री (श्री डी० पी० करमरकर): (क) जी नहीं ।

(ख) यह प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) स्टेट ट्रेडिंग कारपोरेशन आफ इंडिया द्वारा अक्तूबर १९५८ में पी० एल० ४८० योजना के अन्तर्गत अमेरिका से मंगाये गये ५,००० टन दूध के चूरे में से १,१०,००० पौण्ड दूध का चूरा आम जनता में वितरण के लिये दिल्ली को दिया गया था । दिल्ली मिल्क प्रोडक्ट्स इम्पोर्टर्स एसोसियेशन इस दूध को १९५८ के अन्त तक दिल्ली में लायी और दिल्ली प्रशासन द्वारा दिये गये अधिकारों के अनुसार इसके एजेण्ट इसे बेच रहे हैं ।

UTHE MINISTER OP HEALTH (SHRI D. P. KARMARKAR) : (a) No.

(b) Does not arise.

(c) Out of 5,000 tons of milk powder imported from America under P. L. 480 scheme in October, 1958 by the State Trading Corporation of India, 1,10,000 lbs. were allotted to Delhi for distribution to the general public. The supplies were brought into Delhi towards the end of 1958 by the Delhi Milk Products Importers Association and are being sold by its Agents as authorised by the Delhi Administration.]

f [STOPPING OF GOODS TRAIN ON KANPUR ACHNERA BRANCH OF THE NORTH EASTERN RAILWAY

नार्थ ईस्टर्न रेलवे की कानपुर-अछनेरा ब्रांच पर मालगाड़ी का रोका जाना

२०५. **श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को ऐसी कोई शिकायत मिली है कि ६ अगस्त, १९५९ को दिन के ३ बजे मालगाड़ी के एक कर्मचारी ने नार्थ ईस्टर्न रेलवे की कानपुर-अछनेरा ब्रांच के मील २०० के खम्भा ३ पर ट्रेन रोक दी और वह मौजा टिमरली के ग्राम समाज की लगभग ५० मन लकड़ी को ट्रेन में रख कर ले गया; और

(ख) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर 'हां' हो तो क्या इसके बारे में विभाग की ओर से कोई जांच कराई गई और यदि 'हां' तो जांच का परिणाम क्या निकला ?

205. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have received any complaint to the effect that a worker of goods train stopped the train on the 6th August, 1959, at 3 P.M. at post 3 of mile 200 on the Kanpur-Achnera Branch of the North Eastern Railway and carried away in the train about 50 maunds of wood belonging to the Gram Samaj of village Timrali; and